भारत – कुवैत संबंध

भारत और कुवैत के बीच परंपरागत रूप से मैत्रीपूर्ण संबंध हैं जो इतिहास पर आधारित हैं तथा ये संबंध समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। भौगोलिक निकटता, ऐतिहासिक व्यापार संबंध, सांस्कृतिक अपनत्व तथा कुवैत में भारी संख्या में भारतीय नागरिकों की मौजूदगी से लंबे समय से चला आ रहा यह संबंध कायम है और फल-फूल रहा है। भारत कुवैत का एक स्वाभाविक व्यापार साझेदार रहा है तथा वर्ष 1961 तक भारतीय रूपया कुवैत में कानूनी तौर पर चला करता था। तेल की खोज एवं विकास होने तक, कुवैत की अर्थव्यवस्था इसके उत्कृष्ट बंदरगाहों तथा समुद्री गतिविधियों के इर्द – गिर्द घूमती थी जिसके तहत पोत निर्माण, समुद्र से मोती निकालना, मछली पकड़ना तथा लकड़ी के बने ढोउ पर भारत की समुद्री यात्रा करना शामिल करना था, जिस पर खजूर लदे होते थे, अरबी घोड़ों और मोती जिनको लकड़ी अनाज, कपड़ा एवं मसालों के बदले में बेचा जाता था।

राजनीतिक संबंध :
भारत एवं कुवैत के बीच नियमित आधार पर उच्च स्तर पर यात्राओं की एक स्वस्थ परंपरा है।

भारत की ओर से कुवैत की वी वी आई पी यात्राएं : 1965 में उप राष्ट्रपति डा. जाकिर हुसैन द्वारा कुवैत की यात्रा की गई, 1981 में प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा कुवैत की यात्रा की गई तथा 2009 में उप राष्ट्रपति हामिद अंसारी द्वारा कुवैत की यात्रा की गई

कुवैत की ओर से भारत की वी वी आई पी यात्राएं : इसके तहत 1964 में क्राउन प्रिंस एवं प्रधानमंत्री शेख साबाह अल सलेम अल साबाह की यात्रा, 1980 में अमीर शेख जाबेर अल अहमद अल जाबेर अल साबाह की यात्रा तथा पुन: 1983 में उनकी यात्रा (गुट निरपेक्ष शिखर बैठक के लिए), 2006 में अमीर शेख साबाह अल अहमद अल जाबेर अल साबाह की यात्रा तथा नवंबर 2013 में प्रधानमंत्री शेख जाबेर अल मुबारक अल अहमद अल साबाह की यात्रा शामिल है।

हाल के उच्च स्तरीय आदान – प्रदान
भारत की ओर से विदेश मंत्री श्री एस एम कृष्णा ने फरवरी, 2010 में कुवैत का दौरा किया। उन्होंने पुन: 25 फरवरी से 27 फरवरी, 2011 के दौरान कुवैत का दौरा किया जिसका प्रयोजन कुवैत को आजादी की 50वी वर्षगांठ, इसकी मुक्ति की 20वीं वर्षगांठ तथा अमीर के राज्यारोहण की 5वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोहों में भाग लेना था। विदेश राज्य मंत्री श्री ई अहमद ने 15 जनवरी, 2014 को आयोजित सीरिया के लिए दूसरे अंतर्राष्ट्रीय वचनबद्धता सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए कुवैत का दौरा किया। उन्होंने वर्ष, 2013 में भी कुवैत का दो बार दौरा किया तथा 14 से 17 अक्टूबर, 2012 के दौरान कुवैत में आयोजित पहली एशिया सहयोग वार्ता (ए सी डी) शिखर बैठक में भाग लिया। संसद सदस्य श्री यशवंत सिन्हा ने 13 – 14 फरवरी 2014 को कुवैत का दौरा किया। अल्पसंख्यक मामले मंत्री डा. के रहमान खान ने 11-12 मई, 2014 को कुवैत का एक निजी दौरा किया। योजना आयोग के उपाध्यक्ष डा. मोंटेक सिंह अहलुवालिया ने 1 से 3 जुलाई, 2013 के दौरान कुवैत का दौरा किया। उच्च स्तर पर हाल की अन्य यात्राओं के तहत पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री आर पी एन सिंह (अप्रैल, 2011), संसद सदस्य श्री राहुल गांधी (जून, 2012) और प्रवासी भारतीय मामले मंत्री श्री वायलर रवि (नवंबर, 2013) की यात्राएं शामिल हैं।

कुवैत की ओर से, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री डा. अब्दुल मोहसेन मेडीज अल-मेडीज ने 15-17 जनवरी, 2015 के दौरान जयपुर, राजस्थान में आयोजित साझेदारी शिखर सम्मेलन के लिए एक व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, और साथ ही 26-27 नवंबर, 2014 को नई दिल्ली में आयोजित चौथे भारत – अरब साझेदारी सम्मेलन में भी भाग लिया। कुवैत राष्ट्रीय सुरक्षा ब्यूरो के अध्यक्ष शेख थमेर अली साबाह अल सालेम अल-साबाह, ने 17 से 19 फरवरी, 2014 के दौरान भारत का दौरा किया तथा अपने भारतीय समकक्ष के साथ सुरक्षा वार्ता की। कुवैत के प्रधानमंत्री ने उप प्रधानमंत्री (डी पी एम) एवं विदेश मंत्री शेल साबाह खालिद अल हमद अल साबाह, तेल मंत्री श्री मुस्तफा जस्सेम अल शिमाली, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री अनास खालिद अल सालेह, वरिष्ठ अधिकारियों तथा कारोबारी नेताओं के साथ 7 से 10 नवंबर, 2013 के दौरान भारत का दौरा किया। कुवैत के प्रधानमंत्री ने हमारे राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय चर्चा की। उन्होंने विदेश मंत्री, वित्त मंत्री, वाणिज्य एवं

उद्योग मंत्री, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री, यूपीए अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी से भी मुलाकात की। अमीरी दीवान मामले मंत्री शेश नसेर साबाह अल अहमद अल साबाह ने 10 से 13 मार्च, 2013 के दौरान भारत का दौरा किया। कुवैत के तेल मंत्री एवं सूचना मंत्री शेख अहमद अल अब्दुल्ला अल साबाह ने 25 से 28 सितंबर, 2010 के दौरान भारत का दौरा किया तथा जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में भारत – अरब सांस्कृतिक केंद्र में ''साबाह सांस्कृतिक पुस्तकालय'' का उद्घाटन किया।

वाणिज्यिक संबंध :

व्यापार और आर्थिक सहयोग: ऐतिहासिक रूप से भारत – कुवैत संबंधों में हमेशा से व्यापार का पहलू महत्वपूर्ण रूप से जुड़ा रहा है। भारत कुवैत के शीर्ष 10 व्यापार साझेदारों में निरंतर बना हुआ है। वर्ष 2014-15 के दौरान कुवैत के साथ कुल द्विपक्षीय व्यापार 14.58 बिलियन अमरीकी डालर था। कुवैत से भारत का आयात 13.38 बिलियन अमरीकी डालर था (जिसमें पेट्रोलियम का हिस्सा 12.22 बिलियन अमरीकी डालर था), जबकि कुवैत को भारत का निर्यात 1.19 बिलियन अमरीकी डालर था। भारत कुवैत को जिन वस्तुओं का निर्यात करता है उसमें मुख्य रूप से खाद्य सामग्री, अनाज, कपड़ा, गारमेंट, विद्युत एवं इंजीनियरिंग उपकरण, मशीनरी एवं यांत्रिक उपकरण, ट्रक, बस, टायर, रसायन, ज्वेलरी, हस्तशिल्प, धातु के उत्पाद, लोहा एवं इस्पात आदि शामिल हैं। कुवैत के वाणिज्य और उद्योग चैंबर के साथ मिलकर दूतावास ने 18 मार्च 2015 को कुवैत में एक "भारतीय भोजन, हर्बल और हस्तशिल्प प्रदर्शनी'' का आयोजन किया। सी आई आई ने 14 से 16 सितंबर 2015 के दौरान कुवैत में बिग 5 प्रदर्शनी में एक भारतीय मंडप का आयोजन किया जिसमें भारत से 50 कंपनियों ने भाग लिया। ओ एन जी सी ने 12 से 14 अक्टूबर 2015 तक कुवैत में आयोजित कुवैत तेल एवं गैस शो में पहली बार भाग लिया। दूतावास ने 9 दिसंबर, 2015 को कुवैत में ई पी सी कंपनियों के एक सम्मेलन का आयोजन किया।

संयुक्त मंत्री स्तरीय आयोग (जे एम सी) : वर्ष 2006 में कुवैत के अमीर की भारत यात्रा के बाद दोनों पक्ष ''आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग पर भारत – कुवैत संयुक्त मंत्री स्तरीय आयोग'' का गठन करने पर सहमत हुए। संयुक्त मंत्री स्तरीय आयोग (जे एम सी) की 2वीं बैठक नई दिल्ली में जून 2008 में हुई। जे सी एम की तीसरी बैठक कुवैत में 2016 में होने की उम्मीद है।

विदेश कार्यालय परामर्श (एम ओ सी) : भारत और कुवैत के बीच पहला विदेश कार्यालय परामर्श का आयोजन 7 मई, 2012 को नई दिल्ली में हुआ, जबकि दूसरे एफ ओ सी का आयोजन 11 सितंबर,, 2014 को कुवैत में हुआ।

कुवैत में भारतीय कंपनिया : भारतीय पी एस यू जैसे कि टी सी आई एल, एल आई सी (इंटरनेशनल), एल आई सी हाउसिंग फाइनांस, न्यू इंडिया एस्योरेंस कंपनी, ओरियंटल इंस्योरेंस कंपनी, एयर इंडिया लिमिटेड (एयर इंडिया एवं एयर इंडिया एक्सप्रेस) के कुवैत में कार्यालय हैं। पिछले 2 वर्षों के दौरान भारतीय ई पी सी कंपनियों जैसे कि लार्सेन एंड टर्बो, शपूरजी पालोनजी, डोडसल, पुंज लायड, सिम्प्लेक्स प्रोजेक्ट्स, एस्सार, कल्पतरू आदि को कुवैत में 6 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक मूल्य के ठेके प्रदान किए गए हैं। ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान (टेरी) 39 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य की कुवैत ऑयल कंपनी (के ओ सी) की मृदा रिमेडिएशन परियोजना निष्पादित कर रहा है।

भारत में कुवैत निवेश : भारत में कुवैती निवेश अधिकतम परोक्ष रूप में पोर्टफोलियो प्रबंधकों के माध्यम से है। इसमें से अधिकांश निवेश करावकाश प्रदान करने वाले मारीशस, सिंगापुर या अन्य देशों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय निवेश कंपनियों के जरिए भारत पहुंचा है। अब तक भारत में यह निवेश 3.5 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक है जिसमें से 3 बिलियन अमरीकी डालर का निवेश कुवैत निवेश प्राधिकरण (के आई ए) द्वारा किया गया है। दिसंबर 2015 में, कुवैत निवेश प्राधिकरण ने जी एम आर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में 300 मिलियन अमरीकी डालर के निवेश की घोषणा की। इससे पहले अक्टूबर 2015 में, कुवैत निवेश प्राधिकरण ने इंटर ग्लोब एविएशन (इंडिगो एयरलाइंस) आई पी ओ में काफी निवेश किया था। 2013 में कुवैत निवेश प्राधिकरण ने पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड में 5.37 मिलियन अमरीकी डालर का निवेश किया था। भारत में कुवैत की उपस्थिति के अन्य महत्वपूर्ण उदाहरणों में निम्नलिखित शामिल हैं – अल्घानिम ग्रुप ऑफ कुवैत; के ए पी आई सी ओ ग्रुप; नेशनल एविएशन सर्विसेज; एजीलिटी लॉजिस्टिक्स; हैसिबैट होल्डिंग कंपनी; के जी ए ग्रुप, के सी आई सी, के आई पी सी ओ; ग्लोबल इंवेस्टमेंट हाउस; कुवैत फाइनांस हाउस आदि। कुवैत में लांच की गई भारत संबद्ध निधियों में इंडिया फंड (2005);

तिजारी इंडिया फंड (दिसंबर, 2006); इंडिया इंक्विटी फंड (जनवरी, 2007); कुवैत इंडियन होल्डिंग कंपनी; इंडिया प्राइवेट इक्विटी फंड; थर्ड रियल एस्टेट इस्लामिक फंड (मई, 2007) और मयूर हेडगे फंड (अगस्त, 2008)।

हाइड्रोकार्बन क्षेत्र : कुवैत भारत को क्रूड ऑयल एवं एल पी जी का एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता बना हुआ है तथा यह ऊर्जा की हमारी महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करता है। 2014-15 के दौरान, कुवैत भारत को क्रूड ऑयल का चौथा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता था। हाइड्रो कार्बन क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा करने एवं इसका विस्तार करने के लिए हाइड्रो कार्बन पर भारत – कुवैत संयुक्त कार्य समूह की चौथी बैठक 15-16 सितंबर, 2015 को नई दिल्ली में हुई। टेरी के महानिदेशक डा. आर के पचौरी ने 1 और 2 नवंबर 2015 को कुवैत का दौरा किया। आई ओ सी एल के एक 3 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 28 और 29 नवंबर 2015 को कुवैत का दौरा किया।

नागरिक उड्डयन : एयर इंडिया कुवैत और अहमदाबाद, चेन्नई, गोवा एवं हैदराबाद के बीच उड़ानों का संचालन करता है; एयर इंडिया एक्सप्रेस की कुवैत और कोच्चि, कोझिकोड एवं मंगलौर के बीच उड़ानें हैं; जेट एयरवेज की मुंबई और कुवैत के बीच दिन में 2 उड़ानें हैं; जबकि कुवैत एयरवेज की कुवैत और अहमदाबाद, बंगलौर, चेन्नई, दिल्ली, कोच्चि, मुंबई एवं तिरूवनंतपुरम के बी सीधी उड़ानें हैं। नेशनल एविएशन सर्विसेज, कुवैत 5 भारतीय विमानपत्तनों के लिए संविदाओं को हैंडल कर रहा है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी : भारत और कुवैत ने अप्रैल, 2009 में एक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी करार पर हस्ताक्षर किया है। कुवैत वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (के आई एस आर) के एक शिष्टमंडल ने 18 से 22 नवंबर, 2013 के दौरान भारत का दौरा किया तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के साथ एक सहयोग कार्यक्रम और सी एस आई आर के साथ एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी एस आई आर) तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के एक 8 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 14 से 16 अप्रैल, 2014 के दौरान कुवैत का दौरा किया। के आई एस आर से एक 8 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 25 एवं 26 मई, 2015 को भारत का दौरा किया तथा सी एस आई आर के साथ बैठकें की।

चिकित्सा सहयोग : भारत और कुवैत ने 23 अप्रैल 2012 को नई दिल्ली में चिकित्सा सहयोग के लिए एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया है। चिकित्सा सहयोग पर एक संयुक्त कार्य समूह का गठन किया गया तथा इसकी पहली बैठक नवंबर, 2013 में कुवैत में हुई।

शिक्षा : दिसंबर, 2010 में कुवैत विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान संकाय में एक "भारतीय अध्ययन केंद्र" स्थापित किया गया। कुवैत में 20 भारतीय स्कूल हमारे केंद्रीय माध्यमिक शिक्ष बोर्ड से संबद्ध है, जहां लगभग 46,000 भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। नवंबर, 2013 में शिक्षा एवं अधिगम में सहयोग पर एक शैक्षिक विनिमय कार्यक्रम (2013-15) पर हस्ताक्षर किया गया।

सांस्कृतिक संबंध :

संस्कृति : भारतीय संस्कृति में कुवैत की गहरी रूचि है तथा इन क्षेत्रों में नियमित रूप से आदान – प्रदान होता है। वर्ष 2009 में कुवैत में ''कुवैत में भारत महोत्सव'' का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक एवं सूचना आदान – प्रदान के लिए कार्यपालक कार्यक्रम (2013 – 2016) पर 2013 में हस्ताक्षर किया गया। भारत के मशहूर कलाकारों जैसे कि नीलाद्री कुमार एवं उस्ताद सुजात हुसैन खा (सितार), सलिल भट्ट (वीणा), कला रामनाथ (वायलिन), रूपक कुलकर्णी (बांसुरी), योगेश समसी (तबला), सुश्री पार्वती दत्ता की कथक एवं ओडिसी नृत्य मंडली ने कुवैत में अपनी कला का प्रदर्शन किया। बेनॉय कुमार बहल द्वारा ''भारत के इस्लामिक संस्मारक'' (मई, 2013) और श्री श्रीकांत सोमनी द्वारा ''यदि ट्रैवलिंक लेंस'' (नवंबर, 2013) के फोटोग्राफ की प्रदशर्नियां कुवैत में लगाई गईं। वर्ष 2014 में, दूतावास में कुवैत राष्ट्रीय संग्रहालय एवं राष्ट्रीय संस्कृति, कला एवं साहित्य परिषद (एन सी सी ए एल) के तत्वावधान में 24 अगस्त से 4 सितंबर, 2014 के दौरान कुवैत में आयोजित 9वें ग्रीष्म सांस्कृतिक महोत्सव में भाग लिया। वर्ष 2014 में कुवैत में भारतीय शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें पंडित विश्व मोहन भट्ट (गिटार), सुश्री अमिता दलाल (सितार) एवं हिमांशु महंत (तबला) और सुश्री सोनम कालरा के फ्यूजन ग्रुप ने भाग लिया। श्री संजीव कुमार खीवा और श्री दलजीत सिंह के नेतृत्व में भांगड़ा ग्रुपों ने 2015 में कुवैत में अपनी कला का

प्रदर्शन किया तथा इन दोनों ग्रुपों को आई सी सी आर ने प्रायोजित किया था। 21 जून 2015 को दूतावास में पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। दूतावास ने 9 जनवरी, 2016 को अपने परिसर में 14वें प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन किया।

कुवैत पत्रकार संघ के अध्यक्ष अहमद यूसुफ बेहबेहानी के नेतृत्व में संघ के एक शिष्टमंडल ने 14 से 18 मई, 2012 के दौरान भारत का दौरा किया तथा उप राष्ट्रपति, लोक सभा अध्यक्ष, विदेश मंत्री, वित्त मंत्री तथा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री से मुलाकात की। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के सहयोग से कुवैती दूतावास ने नई दिल्ली एवं जयपुर में 15 से 19 मई, 2012 के दौरान ''कुवैत सांस्कृतिक सप्ताह'' का आयोजन किया जिसमें संयुक्त कला एवं शिल्प प्रदर्शनी, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में व्याख्यान तथा कुवैत की दूरदर्शन मंडली द्वारा लोक साहित्य का प्रदर्शन शामिल था।

करार : हस्ताक्षरित विभिन्न द्विपक्षीय करारों में प्रमुख इस प्रकार हैं : निवेश का पारस्परिक संरक्षण (2001); आपराधिक मामलों में परस्पर कानूनी सहायता (2004); प्रशिक्षण (2004); दीवानी एवं आपराधिक मामलों में क्षेत्राधिकार एवं न्यायिक सहयोग (2005); श्रम, रोजगार एवं जनशक्ति विकास पर एम ओ यू (2007); वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग (2009); चिकित्सा सहयोग पर एम ओ यू (2012); सजायाफ्ता व्यक्तियों के हस्तांतरण पर करार (2013); विदेश सेवा संस्थान (एफ एस आई) और सौद एन अल-साबाह कुवैत राजनयिक संस्थान के बीच एम ओ यू (2013); वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान, कुवैत (के आई एस आर) एवं सी एस आई आर के बीच विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग पर एम ओ यू; खेल एवं युवा मामलों के क्षेत्र में सहयोग पर एम ओ यू (2013); के आई एस आर और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के बीच सहयोग पर एम ओ यू (2014); इसरो और के आई एस आर के बीच एम ओ यू (2015)।

भारतीय समुदाय : कुवैत में लगभग 8 लाख भारतीय समुदाय (जो अधिकतर कुवैत में प्रत्यर्पित समुदाय है) की उपस्थिति हमारे संबंधों को एक महत्वपूर्ण आयाम प्रदान करती है। वे कुवैत के समाज के सभी वर्गों में मौजूद हैं तथा उनको अनुशासित, मेहनती, प्रतिभावान एवं कानून का पालन करने वाला माना जाता है। एक अनुमान के अनुसार, कुवैत से भारत में कुल धन प्रेषण हर वर्ष 4.8 बिलियन अमरीकी डालर के आसपास है। इस समय दूतावास के यहां भारतीय समुदाय के 204 संघ पंजीकृत हैं जो अनेक तरह के क्षेत्रीय, पेशागत एवं सांस्कृतिक हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं। दूतावास ने सितंबर, 2009 में एक ''भारतीय मजदूर कल्याण केंद्र'' का गठन किया जिसमें श्रम शिकायत निवारण तंत्र तथा विपदाग्रस्त घरेलू मजदूरों के लिए आवास,, कार्य संविदा सत्यापन प्रणाली भारतीय घरेलू मजदूरों के लिए टोल फ्री 24x7 टेलीफोन हेल्पलाइन, नि:शुल्क कानूनी सलाह क्लीनिक तथा सभी भारतीय नागरिकों के मार्गदर्शन के लिए एक हेल्पडेस्क का प्रावधान है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, कुवैत की वेबसाइट : www.indembkwt.org;
भारतीय दूतावास, कुवैत का फेसबुक पेज : https://www.facebook.com/indianembassykuwait;
भारतीय दूतावास, कुवैत का ट्विटर पेज : https://www.facebook.com/IndembTelaviv
भारतीय समुदाय का वेब पोर्टल : www.indiansinkuwait.com

***

जनवरी, 2016